Mentorship - 21

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–5)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/21 (J-M)–M–GSM (MI) 2105	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: SONU PARMAR Mobile Number: [redacted]

Medium (English/Hindi): HINDI Reg. Number:

Center & Date: Mukherjee Nagar UPSC Roll No. (If allotted): 042059

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें तेरह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **THIRTEEN** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)	4.5	6.	4.5
1 (b)	4	7 (a)	3.5
2 (a)	2.5	7 (b)	4.5
2 (b)	4.5	7 (c)	4.5
3 (a)	4.5	8.	7.5
3 (b)	4.5	9.	9.5
4 (a)	4.5	10.	9.5
4 (b)	4.5	11.	9.5
5.	4	12.	9.5
		13.	8.5
Grand Total (सकल योग)			108.5

E-516
मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

→ सन्दर्भ दक्षता ठीक है।
→ परिचय दक्षता ठीक है।
→ विषयवस्तु के रूप पर प्रश्न संख्या - 2(a), 7(a), 8, 13 में सुधार अपेक्षित है।
→ भाषा/प्रवाह ठीक है।
→ निष्कर्ष एवं प्रस्तुति दक्षता ठीक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - क/ SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) नैतिक अंत:प्रज्ञा पद को परिभाषित कीजिये तथा उचित उदाहरण देकर अंत:प्रज्ञा एवं तर्कशक्ति में अंतर स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the term moral intuition and differentiate between intuition and reasoning with suitable examples. (150 Words) 10

नैतिक अन्तः प्रज्ञा से आशय हमारे नैतिक मूल्यों पर आधारित ज्ञान और सचेतन के मूल्यों से है।

जबकि तर्कशक्ति में प्रायः तर्कों के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं जिनमें हमारे द्वारा प्राप्त जानकारी और तथ्य होते हैं।

अन्तर

० नैतिक अन्तःप्रज्ञा से लिए गए निर्णय प्रायः सही होते हैं जबकि तर्कशक्ति आधारित निर्णय गलत भी हो सकते हैं जैसे - यदि किसी व्यक्ति द्वारा महिला द्वारा बलात्कार का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अभ्यर्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रयास करने वाले की हत्या के सम्बन्ध में अन्तःप्रज्ञा महिला को निर्दोष तो तार्किकता दोषी ठहरा सकती है।

- अंतःप्रज्ञा से लिए निर्णय सार्वभौमिक नियमों पर आधारित होते हैं जबकि तार्किकता से लिए निर्णय किसी देश और काल ~~में~~ के नियमों से बंधे। जैसे - सही व्यक्ति का साथ देना अन्तःप्रज्ञा आधारित होता है जबकि तार्किकता न्यायः लाभ - हानि के आधार पर निर्णय लेने में सहायक होती है।

उत्तर में उदाहरण तथ्य प्रासंगिक हैं।

निष्कर्ष भी उत्तम ठीक है।

4.5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

(b) भावनाएँ परिस्थितियों को अर्थ देती हैं। भावनाओं के बिना, अनुक्रिया पर बिना किसी नियंत्रण के कोई भी घटनाओं पर अनायास और रोबोटिक रूप से प्रतिक्रिया करेगा। कथन के आलोक में, भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कीजिये और सिविल सेवकों के लिये इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

Emotions give meaning to situations. Without emotions, one would react spontaneously and robotically to events, with no control over the response. In light of this statement, discuss the various aspects of Emotional Intelligence and highlight its importance for civil servants. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

डेनियल गोलमैन के अनुसार स्वयं की तथा दूसरों की भावनाओं को समझकर उनका प्रबन्धन करना ही भावनात्मक बुद्धिमत्ता है।

इस पक्ष को और तार्किक ढंग से लिखें यथा- भावना से रहित व्यक्ति एक मशीन से अधिक कुछ नहीं होता या ये कहें कि- सुख, दुख, भय, इत्यादि का भावना के बगैर कोई अस्तित्व ही नहीं होता।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विभिन्न पहलु-

- स्वयं की भावनाओं को समझना।
- दूसरों की भावनाओं के प्रत्यक्ष करना।
- दूसरों की भावनाओं का विश्लेषण करना।
- दूसरों की भावनाओं के समझना।
- उसके अनुरूप व्यवहार नियंत्रण।

भावनाएं किसी परिस्थिति से जुड़कर उसकी विशिष्टता का निर्धारण करती है जैसे - यदि कोई बच्चा रोता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

है और एक वयस्क हँसी के साथ ~~आँसुओं~~ आँसुओं को छुपाने का प्रयास करता है। रोना दोनों परिस्थितियों में है किंतु इनकी सटीक पहचान भावनात्मक बुद्धिमत्ता से ही संभव।

लोकसेवकों के लिए महत्व

व्यक्तिगत स्तर पर

- → स्वयं की भावनाओं पर नियंत्रण।
- → स्वयं को प्रेरित करना।
- → स्वयं के प्रति जागरूकता।
- → इनके द्वारा भावनाओं का नियंत्रण व निर्णय निर्माण

प्रशासनिक स्तर पर

- → संगठन के लिए सकारात्मक माहौल
- → सहकर्मियों को प्रेरित करना
- → समानुभूति के द्वारा समस्या समाधान
- → जनता से सफल संप्रेषण

सामान्यतः! विषयवस्तु की जरूरत थी

4/10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. (a) सहानुभूति, समानुभूति एवं करुणा के मध्य मुख्य अंतर क्या है? नेतृत्व क्षमता के विकास में समानुभूति की भूमिका पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

What is the key difference between sympathy, empathy and compassion? Highlight the role of empathy in shaping leadership. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सहानुभूति की दशा में व्यक्ति को दूसरे जीवों या मनुष्यों के प्रति दुख के प्रति सहायता करने की प्रेरणा मिलती है

जबकि समानुभूति दूसरे की भावनाओं को स्व के स्तर पर अनुभव करने की स्थिति है।

करुणा एक नैतिक गुण है जिसमें दूसरे जीवों के दुख से व्यक्ति स्वयं भी दुखी हो जाता है।

तीनों में प्रमुख अन्तर यह है कि सहानुभूति में दयाभाव के साथ सहायता का प्रयास किया जाता है तो समानुभूति में दुख को स्वयं महसूस किया जाता है। करुणा में दुखी स्वयं की

अवधारणा(ओं) स्तर पर और स्पष्टता लायें

यथा, सहानुभूति के स्तर पर 'स्व' और 'पर' की भावना मौजूद रहती है किसी के कष्ट में केवल सहानुभूति के आधार पर व्यक्ति उसके कष्ट के निवारण की कामना करता है न कि प्रयास।

समानुभूति के स्तर पर 'स्व' और 'पर' का भेद समाप्त हो जाता है और व्यक्ति सहायता हेतु तत्पर रहता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सहायता में सक्षम हो भी सकता है नहीं भी। ऐसे में सहायता के भाव का आधार ही करुणा है।

2.5/10

अतः नेतृत्व क्षमता विकास में समानुभूति अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) अभिरुचि एवं अभिवृत्ति सिविल सेवकों में लोक सेवा मूल्यों के विकास हेतु एक-दूसरे के पूरक हैं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Aptitude and attitude complement each other in developing public service values amongst civil servants. Comment. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अभिरुचि जहाँ किसी विशेष कौशल को सीखने की दक्षता की मापक है वहीं अभिवृत्ति किसी विषय पर पक्ष - विपक्ष में सकारात्मक भावों की अवस्थिति से सम्बन्धित है।

अभिरुचि और अभिवृत्ति सिविल सेवा मूल्यों के विकास में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण व एक- दूसरे की पूरक हैं जैसे -

- यदि कोई व्यक्ति गरीबों के प्रति सहानुभूति रखता है और उसे जनसेवा में उसकी अभिरुचि भी है तो वह निश्चित ही एक सफल सिविल सेवक बनता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

विश्लेषण

- यदि किसी व्यक्ति में ~~आर्थिक~~ कौशल अच्छा है और वह नीति निर्माण स्तर को योजना के निर्माण का प्रमुख चरण मानता है तो वह एक प्रभावी नीति निर्माण करेगा।

- यदि कोई व्यक्ति महिलाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण नहीं रखता है और उसकी अभिरुचि तर्कविश्लेषण में अधिक है तो वह महिला हितैषी नीतियों को तार्किक आधार पर लागू करने में तार्किकता से तथ्यों को रख सकेगा।

अतः कहा जा सकता है कि अभिरुचि और अभिवृत्ति सिविल सेवा मूल्यों के विकास में पूरक भूमिका में होती है।

उदाहरण विश्लेषण तार्किक है।

विषयवस्तु को ताकत अच्छी है।

4.5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. (a) भारत में लोक सेवाओं में सत्यनिष्ठा के पतन के पीछे क्या कारण हैं? इसके साथ ही, सिविल सेवाओं में सत्यनिष्ठा के सुधार के लिये उपाय भी सुझाएँ। (150 शब्द) 10

What are the causes behind the decline of integrity in civil services in India? Also, suggest measures for improvement of integrity in civil services. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गांधी जी के अनुसार सत्यनिष्ठा अपने ~~मन~~ विचारों व व्यवहार में एकनिष्ठता है।

लोकसेवकों में सत्यनिष्ठा ~~के~~ एक आधारभूत मूल्य है किंतु इसमें निरंतर कमी देखने को मिल रही है

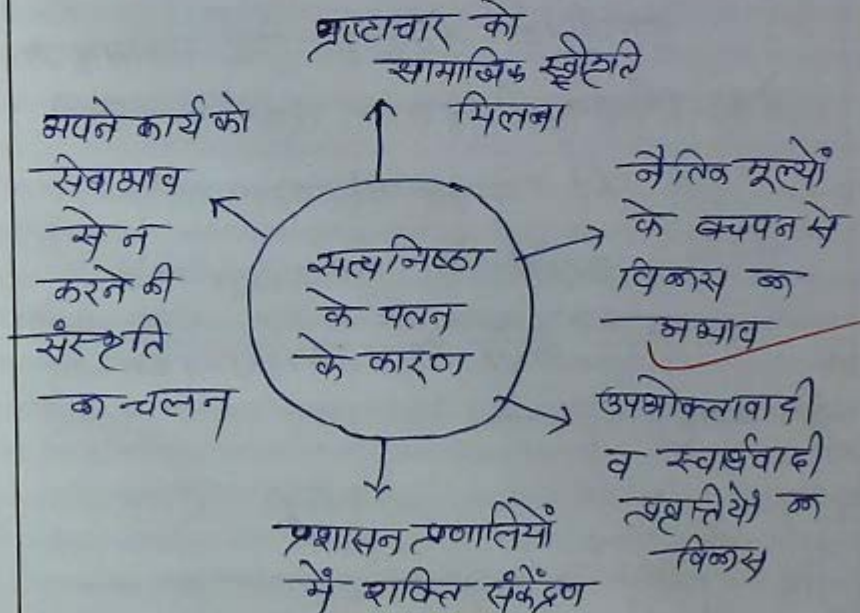

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

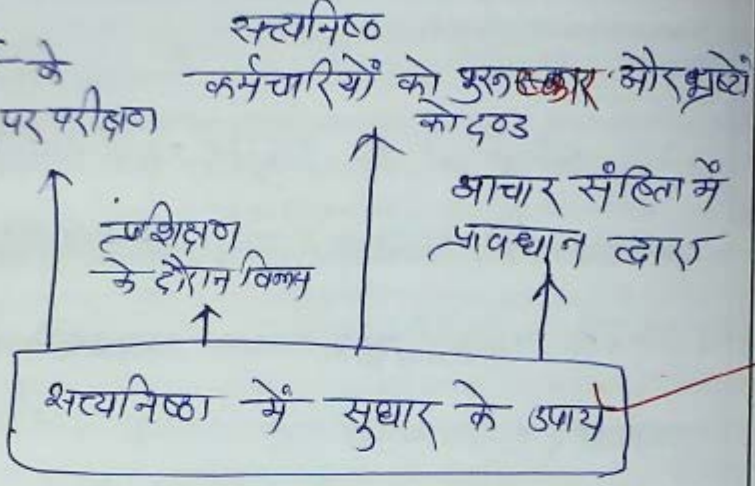

सत्यनिष्ठा लोकसेवा के उन्नयन हेतु ईमानदारी, दक्षता, कुशलता जैसी गुणों की पोषक है अतः इसे विभिन्न चरणों में लोकसेवा में समाहित करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

उत्तर में उल्लेखित तथ्य प्रासंगिक हैं।
विषय की अच्छी समझ है।

4.5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) भावनात्मक बुद्धिमत्ता की उपयोगिता का परीक्षण कीजिये: (150 शब्द) 10

Examine the utility of emotional intelligence: (150 Words) 10

(i) व्यक्तिगत स्तर पर / At individual level

(ii) कार्य समूह के स्तर पर / At work team level

(iii) संगठनात्मक स्तर पर / At organizational level

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(i) व्यक्तिगत स्तर पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता

→ स्वयं के प्रति जागरूक रहकर व्यक्ति के आत्मशक्ति विश्लेषण में सहायक।

→ निराशा या कठिन परिस्थितियों में आत्मप्रेरण में सहायक।

→ आवेगों को नियंत्रित कर भावनाओं का नियमन करती है।

(ii) कार्य समूह के स्तर पर

→ एक दूसरे की भावनाओं को समझने में सहायक।

→ सकारात्मक कार्य हेतु वातावरण का निर्माण।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ टीम भावना का विकास ~~से~~ होता है।

→ संघर्ष या झगड़े से बचाव होता है।

(iii) संगठन के स्तर पर

→ कर्मचारियों की स्थिति का आँकलन

→ क्षमतानुसार कार्य वितरण

→ नैतिक निर्णय में सहायक

→ जनहितैषी कार्यों के प्रेरणा।

डेनियल गोलमेन के अनुसार विभिन्न व्यक्तियों की सफलता में 20% आईक्यू और 80% ईक्यू (भावनात्मक बुद्धिमत्ता) का योगदान होता है। जो इसके महत्त्व को सिद्ध करता है।

उपयुक्त विश्लेषण प्रश्नानुकूल है। विषयवस्तु और अच्छी समझ को उत्तर में दर्शाया है

4.5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. (a) इमैनुएल कांट के निरपवाद कर्त्तव्यादेश सिद्धांत का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Critically examine Immanuel Kant's principle of the categorical imperative. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कांट के अनुसार "कर्तव्य के लिए कर्तव्य" का सिद्धान्त साधन व साध्य दोनों को महत्त्व देता है। अर्थात कर्तव्य पालन करना ही कर्तव्य है। यही निरपवाद कर्तव्यादेश का सिद्धान्त भी कहा जाता है।

साधन की पवित्रता को भी उतना ही महत्त्व दिया जाता है, जितना कि साध्य को। जैसे धन कमाना साध्य हो किंतु इसके लिए साधन भी पवित्र हो न कि चोरी, लूट, रिश्वत।

किंतु कई बार ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है जहाँ साधन की पवित्रता को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उपेक्षित कर दिया जाता है और केवल साध्य को महत्त्व दिया जाता है। जैसे - गरीबों की मदद के लिए डकैती डालना। यहाँ कांट कहता है कि कर्त्तव्य के लिए कर्त्तव्य है इसमें कोई भी अपवाद मान्य नहीं है अतः कांट के अनुसार गरीबों के लिए डकैती डालना अनैतिक है।

वर्तमान में उपभोगवादी मानसिकता के कारण लोग केवल साध्य को महत्त्व देने लगे हैं। धन की लालसा में भ्रष्टाचार को सामाजिक स्वीकृति मिलना साधन की पवित्रता की उपेक्षा का ही परिणाम है।

4.5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) किस प्रकार निष्पक्षता एवं गैर-तरफदारी लोक सेवाओं में तटस्थता सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं? उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर की पुष्टि कीजिये। (150 शब्द) 10

How impartiality and non-partisanship play a vital role in ensuring a neutral approach in public service? Illustrate your answer with suitable examples. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निष्पक्षता से आशय अपने पूर्व अनुभवों, ज्ञान और मनोवृत्ति से मुक्त होकर वस्तुनिष्ठ होकर निर्णय लेने से है।

इसी प्रकार गैर तरफदारी अपने सम्बन्धियों को लाभ न पहुंचाने और शत्रुओं को क्षति न पहुंचाने से है।

लोकसेवकों में तटस्थता में भूमिका

→ न्यायाधीशों के मामलों में किसी पक्ष या विपक्ष से सम्बद्धता की स्थिति में वस्तुनिष्ठ निर्णय तटस्था में सहायक या फिर उससे अलग हो जाना। जैसे - आन्ध्रप्रदेश के मुख्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

न्यायाधीश ने आन्ध्र-तेलंगाना विवाद में स्वयं को पृथक कर लिया था।

→ किसी शिक्षक द्वारा अपने बच्चे की परीक्षा की उत्तरपुस्तिका जांचते समय उसे न तो कम अंक देना न ही ज्यादा अंक देना तटस्थता है।

→ किसी अस्पताल समूह के संचालक सांसद द्वारा स्वास्थ्य मंत्री का पद न ग्रहण करना तटस्थता होगी।

सामाजिक न्याय और समानता हेतु तटस्थता सिविल सेवकों का आधारभूत मूल्य है जिसमें निष्पक्षता और गैरतरफदारी अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उदाहरणात्मक स्तर पर उत्तम अच्छी है
विषयवस्तु के आधार पर उत्तर स्तरीय है

4.5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

5. सत्यनिष्ठा के विभिन्न प्रकार कौन-से हैं? प्रशासन में इनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिये।
(150 शब्द) 10

What are the different types of integrity? Highlight its utility in governance.
(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सत्यनिष्ठा के आशय हमारे व्यक्तिगत मूल्यों और व्यवहार में समानता ~~है~~ से है।

सत्यनिष्ठा के विभिन्न प्रकार

- व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा - स्वयं के नैतिक आदर्शों के ~~प्रति~~ अनुरूप आचरण।
- सांगठनिक सत्यनिष्ठा - ~~संविधान~~ संगठन की नियमावली के व सिद्धान्तों के प्रति सत्यनिष्ठा।
- संविधान के प्रति सत्यनिष्ठा - प्रत्येक दशा में संवैधानिक मूल्यों का वहन।

सामान्यतः सत्यनिष्ठा तीन प्रकारों में बांट सकते हैं व्यक्तिगत, व्यावसायिक और बौद्धिक सत्यनिष्ठा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व्यवसायिक सत्यनिष्ठा — व्यवसाय के नियमों के प्रति सत्यनिष्ठा। जैसे वकील द्वारा अपने मुवक्किल को बचाने के प्रयास करना।

प्रशासन में उपयोगिता

- संगठन की दक्षता कार्यकुशलता में वृद्धि।
- व्यक्तिगत स्तर पर साम्यता से दक्षता में वृद्धि। भ्रष्टाचार में कमी।
- संवैधानिक मूल्यों के पालन से वंचितों की सहायता।
- व्यवसायिक दक्षता से उच्च प्रदर्शन कौशल में वृद्धि

अतः प्रशासन की सफलता हेतु सत्यनिष्ठा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सामान्यतः विषय की समझ ठीक है

4/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. सिविल सेवा के संदर्भ में निम्नलिखित पदों की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिये: (150 शब्द) 10

Examine the relevance of the following terms in the context of civil service: (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(i) सत्यनिष्ठा / Integrity

- ईमानदारी जैसे मूल्यों का विकास।
- भ्रष्टाचार में कमी।
- कर्त्तव्य के प्रति सेवाभाव मनोवृत्ति का विकास
- संवैधानिक मूल्यों के पालन में सहायक
- लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा सफल

(ii) निष्पक्षता / Impartiality

- सामाजिक न्याय प्रदायगी में सहायक।
- भाई-भतीजावाद की संस्कृति पर प्रतिबन्ध।
- वंचितों तक अधिकारों की प्रदायगी।
- संसाधनों का समान वितरण विकास में सहायक।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(iii) वस्तुनिष्ठता / Objectivity

- पूर्वाग्रहों से मुक्त निर्णय में सहायक।
- महिलाओं के प्रति सकारात्मक व्यवहार।
- निष्पक्ष न्याय प्रदायगी।
- मनोवृत्ति का निम्नतम प्रभाव।
- वंचितों के प्रति सकारात्मक व्यवहार

(iv) सहिष्णुता / Tolerance

- दूसरों के मत को सुनने, समझने, स्वीकारने में सहायक।
- समरसतापूर्ण वातावरण का विकास
- आत्मसुधार की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं।
- सीखने की मनोवृत्ति का विकास

4.5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरणों का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each one of the following quotations mean to you?

(a) "करुणा वह सबसे महत्त्वपूर्ण सद्गुण है जो विश्व को आगे बढ़ाता है।" – तिरुवल्लूर (150 शब्द) 10

"It is compassion, the most gracious of virtues which moves the world." – Thiruvalluvar (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में कहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

करुणा सभी नैतिक मूल्यों का आधार है। अर्थात् करुणा से ही सहानुभूति, दया, न्याय, सहायता, परोपकार जैसे सद्गुणों का जन्म होता है।

पशुओं में स्वार्थ भाव होता है जिसके कारण वे अन्य पशुओं को खा जाते हैं या बर्बर हिंसा करते हैं इसके विपरीत मनुष्य में करुणा का भाव होता है जिसके कारण वह जीवमात्र के प्रति प्रेम का भाव रखता है। करुणा ही मनुष्य को मनुष्य बनाती है। मानवता का आधार ही करुणा है।

मानव संस्कृति के विकास क्रम में प्रत्येक धर्मों में करुणा को महत्त्वपूर्ण मूल्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

स्वीकारा गया है।

जब मनुष्य अनिर्णय की दशा में होता है तो उसका विवेक उसे निर्णय लेने में सहायता करता है विवेक का आधार धर्म है और धर्म का आधार करुणा।

यही कारण है कि करुणा पर आधारित सभ्यताएं ही अपना विकास कर पाई हैं जब जब करुणा त्याग स्वार्थ को मनुष्य ने अपनाया है तब तब समाजों का पतन हुआ है।

अतः तिरुवल्लुवर का कथन "करुणा सबसे प्रमुख सद्गुण है जो विश्व को आगे बढ़ाता है" सटीक ही है।

वैश्विक स्तर पर करुणा के ना होने से हुई समस्याओं से विश्व जूझ रहा है
Eg- शरणार्थी संकट
→ से सम्बन्धित समस्याएं
→ पर्यावरण प्रदूषण
→ से जीव-जन्तुओं की होने वाली मृत्यु के प्रति करुणा प्रदर्शित करने से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जाता है

उपर्युक्त बिंदुओं उदाहरण व तार्किक उत्तर को जोड़ें

3.5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) 'सहिष्णुता स्पष्ट रूप से सही और गलत तथा अच्छाई और बुराई के बीच भेद नहीं करती है।'
– एम. के. गांधी (150 शब्द) 10

"Tolerance obviously does not disturb the distinction between right and wrong and good and evil."
– M. K. Gandhi
(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सहिष्णु मनुष्य न केवल दूसरों की भावनाओं या विचारों को सहन करता है बल्कि वह दूसरों की भावनाओं को सम्मान भी देता है।

सहिष्णुता व्यक्ति को किसी भी बात विषय या विचार पर शांतिपूर्ण तरीके से सुनने और विचार करना सिखाती है जिससे व्यक्ति तुरन्त प्रतिक्रिया नहीं करता बल्कि दूसरों की चाहे वे विचार उसकी मनोवृत्ति के अनुसार सही हो या गलत, अच्छे हो या बुरे।

सहिष्णुता के कारण व्यक्ति किसी भी भावना या विचार में भेद नहीं करता बल्कि उन्हें सम्मान देकर उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से सुनता है। जिससे व्यक्ति में आत्मसुधार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

का मार्ग प्रशस्त होता है, और वातावरण सकारात्मक बन जाता है। जैसे- हाल ही में गुजरात के कुछ शहरों में मांस की दुकानों के विरोध में उपरान्त दुकानों को यथावत रखने का निर्णय सहिष्णुता को प्रदर्शित करता है। जो अन्य समुदायों की भावनाओं का सम्मान है।

अतः कहा जा सकता है कि सहिष्णुता अच्छे-बुरे का भेद न करके सभी के प्रति सकारात्मक भाव से आत्ममनन का मार्ग प्रशस्त करती है।

गांधी जी का उपरोक्त कथन सहिष्णुता को सही रूप में व्याख्यायित करता है।

4.5/10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) "जब सीखना उद्देश्यपूर्ण होता है, तो रचनात्मकता निखर जाती है। जब रचनात्मकता निखरती है, तो सोच निकलती है। जब सोच निकलती है, तो ज्ञान पूरी तरह से प्रज्ज्वलित होता है। जब ज्ञान प्रज्ज्वलित होता है तो अर्थव्यवस्था फलती-फूलती है।" – ए.पी.जे. अब्दुल कलाम।

(150 शब्द) 10

"When learning is purposeful, creativity blossoms. When creativity blossoms, thinking emanates. When thinking emanates, knowledge is fully lit. When knowledge is lit, economy flourishes." – APJ Abdul Kalam

(150 words) 10

परीक्षार्थी को इस हाशिये में कोई लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किसी हुनर- कौशल को सीखने की स्थिति में दो विकल्प होते है एक तो निरुद्देश्य सीखना और दूसरा उद्देश्य से सीखना। जैसे - किसी व्यापारी का तैरने की कला सीखना केवल उसके शौक से या मनोरंजन से प्रेरित हो सकती है जो उद्देश्यपूर्ण प्रतीत नहीं होती जबकि किसी खिलाड़ी द्वारा तैरना अपने प्रदर्शन को निरन्तर निखारने से सम्बद्ध होता है।

उद्देश्यपूर्ण सीखना उसमें रचनात्मकता को बढ़ाएगा जिससे निरन्तर प्रदर्शन में सुधार ही उसका लक्ष्य होगा। और ऐसा होने पर वह अलग-अलग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

तकनीकों का विकास करेगा जिससे निश्चित तौर पर नए नवाचार और पद्धतियों का विकास होगा। यही नवाचार किसी भी अर्थव्यवस्था के आधार होते हैं।

→ जैसे - किसी विद्यार्थी द्वारा वैज्ञानिक बनने के उद्देश्य से शिक्षा ग्रहण करना उसके विकास में वृद्धि करेगा।

अतः उद्देश्यपूर्ण सीखना सीखने को सार्थकता प्रदान कर उसे जनोपयोगी व राष्ट्रोपयोगी बनाता है।

तथ्यात्मक विश्लेषण प्रासंगिक है विषयानुरूप ठोस उत्तर है

4.5/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - ख/ SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. आप एक ईमानदार पुलिस अधिकारी हैं, जिसकी साइबर इंटेलिजेंस में विशेषज्ञता है। अपने उत्कृष्ट कार्यकाल (कैरियर) के दौरान आपने कई आपराधिक नेटवर्कों का पर्दाफाश किया, ऑनलाइन आंतकी गतिविधियों को ट्रैक किया तथा अवैध वित्तीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। आपकी नियुक्ति स्नूपिंग, जासूसी, हैकिंग एवं लक्षित सिस्टम पर मालवेयर के हमले पर विशेषज्ञता के साथ साइबर विशेषज्ञ के रूप में हुई है। अपने क्षेत्र में सफलताओं की एक शृंखला के साथ आप अपने सरकारी समूह में प्रसिद्ध हो गए हैं। आपके विभाग प्रमुख की रिटायरमेंट पार्टी पर एक मंत्री के निजी सहायक आपके पास आते हैं तथा आपको मंत्री के साथ एक व्यक्तिगत मीटिंग हेतु आमंत्रित करते हैं। मंत्री के साथ हुई मीटिंग में मंत्री आपको हाल में हुई एडवांस एयरक्राफ्ट खरीद के संबंधों में जानकारी देते हैं जिसमे पारदर्शिता की कमी होने के कारण विपक्ष द्वारा इसे चुनौती दी जा रही है। मंत्री आपसे कुछ प्रमुख विपक्षी नेताओं के व्यक्तिगत चैट और ईमेल प्राप्त करने के लिये कहता है जिससे उनके पूर्व भ्रष्टाचारों का पता लगाया जा सके और उन पर उनके खुद के बचाव का दबाव बनाया जा सके जिससे रक्षा सौदे पर कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगी। आप व्यक्तिगत रूप से महसूस करते हैं कि यह सौदा भारत के हवाई क्षेत्र की सुरक्षा हेतु अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है।

(a) इस परिस्थिति में क्या आप मंत्री के प्रस्ताव से सहमत होंगे?

(b) क्या आपको लगता है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर नागरिकों की जासूसी करना एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायोचित है? (250 शब्द) 20

You are a sincere police officer who has expertise in cyber intelligence. In your outstanding career, you have busted many criminal networks, tracked online activities of terrorists and exposed illegal financial networks. You employed snooping, espionage, hacking and attacking targeted person's systems with malware, as a cyber expert. With a series of successes in this field, you have become famous within the government circles. On the retirement party of the head of your department, a minister's personal assistant approaches and invites you for a private meeting with the minister. In the meeting with the minister, he informs you about the recent defence deal for buying advanced aircraft which is being challenged by the opposition because of a lack of transparency. The minister asks you to access the personal chats and emails of a few leading opposition leaders to unravel their past corrupt acts. This will push them in defensive mode and the aircraft deal will not be hindered. You personally feel that this deal is very important for securing India's airspace.

(a) In such circumstances, will you agree to the minister's proposal?

(b) Do you think that spying on citizens in the name of national security is justified in a democratic system? (250 Words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) मंत्री के प्रस्ताव से सहमत होने या न होने सम्बन्धी निर्णय में मेरे द्वारा मंत्री जी के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा। क्योंकि इसके कारण निम्नलिखित के हानि होगी।

- देश की संप्रभुता और अखंडता को खतरा –
  एडवीस एयरक्राफ्ट डील में अपारदर्शिता के कारण सुरक्षा कमजोर होने की संभावना बढ़ेगी।
- सम्बन्धित व्यक्तियों के चैट हैकिंग से उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन –
  अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त निजता का हनन होगा।

प्रस्ताव स्वीकारने एवं न स्वीकारने की स्थिति में अलग-2 सकारात्मक एवं नकारात्मक बिन्दुओं को रखना था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- मेरी अन्तरात्मा को क्षति - ऐसे लालच से मेरी अन्तरात्मा अनैतिकता के दुष्चक्र में फँस जाएगी और भविष्य में नैतिक निर्णयन में बाधा होगी।
- सिविल सेवा आचरण नियमों को क्षति - कार्य सेवा के प्रति प्रतिबद्धता और पद सम्बन्धी नियमों के उल्लंघन कारण कार्यसंस्कृति खराब होगी।
- एक बार गलत कार्य बार-बार गलत कार्य के लिए नेता को प्रोत्साहन देंगे।

(b) मेरे मतानुसार एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक व्यक्ति समान है और अधिकारों के उपभोग की समानता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये)
(Candidate must not write on this margin)

का अधिकार भी प्रत्येक को है। अन्य लोगों की निजता का हनन राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर करना गलत है।

इसके निहितार्थ

- नागरिकों में अविश्वास उत्पन्न होगा
- देश की वैश्विक छवि खराब होगी।
- संवैधानिक मूल्यों की क्षति होगी।
- अधिकार हनन की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।
- इस प्रकार की गतिविधियाँ प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली को भी विकृत कर देती है।
- सांठ-गांठ की संस्कृति का विकास होने से जनता के अधिकार व हित हाशिए पर पहुँच जाते हैं,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इतने संवेदनशील पद पर रहते हुए मेरे द्वारा इस प्रकार के कदाचरण में भागीदारी नहीं की जाएगी और न ही मंत्रीजी के प्रस्ताव को अस्वीकृत कर मैं एक अच्छी कार्यसंस्कृति का निर्माण करूंगी।

7.5/20

उपयुक्त विश्लेषण एवं पठनीय है

⇒ राष्ट्रीय सुरक्षा एवं एकता और अखण्डता को सुचारु रूप से बनाये रखने हेतु यदि नागरिकों की व्यक्तिगत [illegible] अनैतिक नहीं माना जा सकता!

क्योंकि: उसे संविधान द्वारा मूल अधिकार देता है वहीं विशिष्ट परिस्थितियों में उन्हें छीन भी लेता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. महीनों पहले संसद ने भारतीय अर्थव्यवस्था में क्रांति लाने के उद्देश्य से एक विधेयक पारित किया था। कई प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों द्वारा इसका आने वाले वर्षों में उच्च आर्थिक विकास के वाहक और एक प्रगतिशील कदम के रूप में स्वागत किया जाता है। दुर्भाग्य से, कुछ संसदीय प्रक्रियाओं को दरकिनार करने और प्रभावित लोगों के लिये सुधारों की संभावनाओं को संप्रेषित करने में राजनीतिक कार्यपालिका की विफलता के कारण, सशंकित नागरिकों ने सुधारों को वापस लेने की मांग करते हुए शांतिपूर्ण विरोध शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों की व्यापक पैमाने पर भागीदारी और प्रतिबद्धता ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया है। हाल ही में, पश्चिमी देशों की कई मशहूर हस्तियों और कार्यकर्त्ताओं ने इस मुद्दे को उठाने के लिये सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का सहारा लिया। जिस समन्वित तरीके से सोशल मीडिया पोस्ट उभरे हैं, उससे सरकार को उन अराजक तत्त्वों की भागीदारी पर संदेह हुआ है जो गलत सूचना का प्रचार-प्रसार करने की कोशिश कर रहे हैं। एक जुझारू कदम के तहत, सरकार ने आधिकारिक तौर पर इन सूचनाओं को 'प्रेरित' और 'गलत' बताया है। दिलचस्प बात यह है कि इस तरह की सूचनाएँ भारतीय हस्तियों के सोशल मीडिया पोस्ट से भी सामने आई, जिन्होंने पुष्टि की कि ये घरेलू मुद्दे हैं और उन्हें दोषपूर्ण प्रचार से मुक्त होना चाहिये। कई लोगों ने इस संभावना को भी इंगित किया है कि ये पोस्ट सरकार के इशारे पर लिखे गए थे।

(a) उपर्युक्त मामले में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान और चर्चा कीजिये।

(b) सरकार द्वारा स्थिति से निपटने के लिये वैकल्पिक उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Months ago the parliament passed a bill aimed at revolutionizing the Indian economy. This piece of legislation is hailed by many eminent economists as progressive and as one which will lead to higher economic growth in the coming years. Unfortunately, due to the political executive's failure in communicating the prospects of reforms to the would-be affected people and sidestepping of few parliamentary procedures, alarmed citizens started peaceful protests demanding rollback of the reforms. The scale of participation and commitment of protestors have garnered international attention. Recently, many celebrities and activists from western countries took to social media platforms to flag the issue. The coordinated manner in which social media posts emerged has led the government to suspect the involvement of inimical elements who are trying to spread misinformation and propaganda. In a combative move, the government officially denounced the posts, calling them 'motivated' and 'misinformed'. Interestingly, Social media posts also surfaced from the accounts of Indian celebrities, who affirmed that these protests are domestic issues and should be free from propaganda. Many have also pointed to the possibility that these posts were written at the behest of the government.

(a) Identify and discuss the ethical issues involved in the above case.

(b) Suggest alternative measures that could have been employed by the government to deal with the situation. (250 Words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) मामले में शामिल नैतिक मुद्दे

- संसदीय प्रक्रियाओं को दरकिनार करना।
- विधेयक के प्रति अर्थशास्त्रियों की आशावादी टिप्पणियों के बाद भी सुधार हेतु विरोध।
- अन्तर्राष्ट्रीय समुदायों का घरेलू मामलों में हस्तक्षेप संप्रभुता का हनन।
- अराजक तत्वों द्वारा श्रमिकों पर प्रहार।
- प्रमुख भारतीय हस्तियों द्वारा सरकार का पक्ष लेने पर सरकार समर्थन संबंधी आरोप।

उपरोक्त मामले में सरकार द्वारा संसदीय प्रक्रियाओं का अनुपालन न करने से जनता एवं हितधारकों में अविश्वास ने जन्म लिया जिसने इसके विरोध का मार्ग प्रशस्त किया।

इसी तरह सुधारात्मक संभावनाओं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

[illegible] [illegible] होते हुए भी विशेष प्रदर्शन [illegible] [illegible] औपनिवेशिकता या राजनीति से प्रेरित होना प्रदर्शित करता है जिससे राजनैतिक शुचिता का मुद्दा उभरता है।

अन्तर्राष्ट्रीय हस्तक्षेप न केवल संप्रभुता हनन करना है बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक-दूसरे देश की नीतियों प्रतिभाओं के प्रति निरादर के भाव को भी प्रकट करता है और अन्तर्राष्ट्रीय व्यवहार के मुद्दों को उजागर करता है।

प्रमुख भारतीय हस्तियों द्वारा समर्थन को वस्तुनिष्ठ रूप से देखे जाने की आवश्यकता न कि राजनैतिक रूप देने की। इससे राजनैतिक हित व राष्ट्रहित के संघर्ष का मुद्दा उत्पन्न

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

होता है।

(b) सरकार द्वारा स्थिति से निपटने के लिए वैकल्पिक उपाय –

- सर्वप्रथम ऐसे कानूनों को सभी हितधारकों से विचार विमर्श और संसदीय समितियों के परीक्षण उपरान्त लागू किया जाना चाहिए।
- ~~संप्रभुता हनन के मसले में~~ सरकार को कार्यपालिका द्वारा प्रभावी प्रचार व जागरूकता का प्रयास करने का प्रयास किया जाना चाहिए।
- संप्रभुता हनन के मुद्दों पर वैश्विक मंचों पर बातचीत करने और सम्बन्धित देश से बातचीत की जानी चाहिए।
- सोशल मीडिया माध्यमों पर सरल भाषा में विधेयक की लाभकारिता के

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रखा जाना एक ~~सही~~ उपाय हो सकता है।

- शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने वाले दल के ~~लोग~~ नेता से बातचीत करना व उनके सुझावों को संशोधन के साथ करने का प्रयास भी किया जाना चाहिए।

हितधारक सहभागिता और विचारों की स्वतंत्रता के माध्यम से सुधार अपनाना लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की सफलता का आधार है जो उपरोक्त मामले में भी दृष्टव्य है।

अवधारणात्मक स्तर पर समझ अच्छी है

समस्या के समाधान हेतु सुझाए गए सुझाव/उपाय तार्किक हैं।

9.5/20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. एक महिला अपने पुरुष साथी के साथ लिव इन रिलेशनशिप में थी। उसने अपने साथी द्वारा शादी का झाँसा देकर पिछले पाँच सालों से लगातार यौन उत्पीड़न एवं बलात्कार किये जाने की शिकायत पुलिस के पास दर्ज कराई। पुलिस द्वारा की गई प्राथमिक जाँच में यह पाया गया कि ये आरोप झूठे हैं तथा ये दंपत्ति आपसी मतभेद होने से पूर्व खुशहाल जीवन जी रहे थे, जिससे पुलिस को ये आरोप निराधार लगे। ऐसे में उस महिला ने राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज करवाते हुए यह आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा उसे न्याय नहीं मिला, उल्टा पितृसत्तात्मक मानसिकता के वशीभूत होकर पुलिस ने उसके प्रति भेदभाव किया है। उसने महिला आयोग से न्याय की अपील की है। आप राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन हैं।

(a) ऐसी परिस्थिति में आप कौन से कदम उठाएंगे?

(b) क्या आपको लगता है कि लिव इन रिलेशनशिप भारतीय संस्कृति एवं पारंपरिक मूल्यों के खिलाफ है? (250 शब्द) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

A woman was in a live-in relationship with her male partner. She complained to the police of sexual harassment and rape continously for the last five years on the pretext of marriage by her partner. The police on prima facie investigation found out that the allegation is false and the couple was living happily until some internal feud developed that led to these baseless allegations. The woman complained to the State Commission for Women and alleged that she did not get justice from the police and they were biased against her due to a patriarchal mindset. She demands justice from the Women Commission. You are the chairperson of the State Commission for Women.

(a) What steps will you take in such a situation?

(b) Do you think that live-in relationships are against Indian culture and traditional values? (250 Words) 20

(a) राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन होने के नाते मैं निम्न कदम उठाऊँगी -

- सर्वप्रथम पुलिस अधिकारियों से संपर्क कर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कहूँगी।
- उसके उपरान्त महिला से संबन्धित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

साक्ष्य एकत्रण हेतु पुलिस को निर्देशित करूंगी।

- भौतिक व मौखिक साक्ष्यों के एकत्रण में निगरानी रखूंगी।
- यदि पुलिस कार्यवाही सन्देहास्पद लगती है तो अन्यत्र क्षेत्र व अधिकारी से छानबीन हेतु वरिष्ठ अधिकारी से संपर्क करूंगी।
- यदि सम्भव सारी जांच महिला के विरोध में हो तो उसके विरुद्ध झूठी शिकायत करने के लिए कार्यवाही करवाऊंगी।
- यदि जांच गवाह महिला के पक्ष में है तो महिला की मामले को लड़ने में कानूनी व वित्तीय सहायता करूंगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- उपरोक्त मामले में लिव इन सर्टिफिकेट भी अनिवार्य रूप से जाँच देखूँगी ताकि महिला की पूर्व सहमति को निश्चित कर सकूँ।
- ऐसी घटना कब से हो रही है इसके बारे में भी अपनी जाँच में तथ्य इकट्ठा करूँगी।

(b) मुझे लगता है कि प्रत्येक देश और काल में भिन्न रीतियाँ सामाजिक मान्यता प्राप्त करती हैं तो कुछ खो देती है वर्तमान में विविन्न सामाजिक सांस्कृतिक कारणों से सामाजिक संरचना में भारी परिवर्तन ने लिव इन की अवधारणा को जन्म दिया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लिव इन के कारण अनेक सामाजिक व कानूनी समस्याएँ पैदा हुई हैं जैसे बच्चों के पितृत्व का संकट, यौन हिंसा के मामले आदि। किंतु इनके आधार पर इन्हें अवैध कहना गलत होगा।

भारतीय संस्कृति में विवाह जैसे बन्धनों को अटूट माना जाता था लेकिन वर्तमान में स्त्री की एक मनुष्य के रूप में पहचान व अधिकारों की जागरूकता ने तलाक को सामाजिक स्वीकृति प्रदान की है। संभव है कि लिव इन के भविष्य में ऐसी स्वीकृति मिल जाए।

जहाँ तक भारतीय ~~भारतीय~~ संस्कृति व मूल्यों की बात है तो वह तेज और

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए। (Candidate must not write on this margin)

परस्पर सम्मान की भावना का पोषण करती है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति की स्वतंत्रता के सम्मान मिलता है। वर्तमान कुछ सामाजिक परिदृश्य लिव इन को संस्कृति का विरोधी मानता है जिसका कारण इससे उत्पन्न समस्याएँ हैं।

एक लचीले बन्धन के रूप में लिव इन को एक विनियामकीय ढाँचा प्रदान कर इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

अवधारणा एवं उदा. पर स्पष्ट अच्छी है उपर्युक्त विश्लेषण प्रासंगिक है

9.5/20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. कानपुर जिले के एक गाँव में उच्च जाति के लोग निम्न जाति के दूल्हों को घोड़े पर बैठकर गाँव में बरात लाने की अनुमति नहीं देते हैं। इसके प्रतिक्रियास्वरूप एक दूल्हे ने अपने मूल अधिकारों के उल्लंघन के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। सर्वोच्च न्यायालय ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि वह दूल्हे की सुरक्षा सुनिश्चित करे और इस समारोह में विघ्न डालने वालों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करे। गरिमा कानपुर के जिलाधिकारी के रूप में तैनात हैं तथा वह व्यक्तिगत रूप से जातिव्यवस्था के विरुद्ध कठोर विचार रखती हैं। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश को पूरी तरह लागू करने के लिये शादी वाले दिन वह पुलिस फोर्स के साथ गाँव पहुँचती है। गाँव में उच्च जाति के लोगों ने भी विवाह समारोह मे विघ्न डालने हेतु आपस में लामबंदी कर ली है। इस तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए गाँव का सरपंच, जो कि स्वयं उच्च जाति से संबंधित है, ने बरात को किसी अन्य मार्ग से ले जाने का सुझाव दिया है। उसने आश्वासन दिया है कि ऐसा करने से अनावश्यक हिंसा से बचा जा सकता है तथा एक शांतिपूर्ण विवाह समारोह का आयोजन किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नीचे दिये गए परिदृश्यों में संभावित परिणाम क्या हो सकते हैं?

(a) यदि वह सरपंच के प्रस्ताव से सहमत हो जाती है।

(b) यदि वह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का निष्ठापूर्वक क्रियान्वयन करती है। (250 शब्द) 20

In a village of Kanpur district, upper caste people do not allow lower caste bridegrooms to take their marriage procession through the village seated on a horse. In response to this one bridegroom approached the Supreme Court for violation of his fundamental rights. The Supreme Court (SC) directed that district administration should ensure the security of the bridegroom and take needful action against those who try to obstruct the procession. Garima is posted as the District Magistrate of Kanpur and she personally harbours strong views against the caste system. In order to fully implement the SC's order, she arrives at the village with the police force on the day of the marriage. Upper caste people in the village have also mobilized themselves and are adamant about disrupting the marriage procession. In such a tense situation, Sarpanch of the village, who belongs to the upper caste, has suggested rerouting of the procession. He assures that doing this will avoid unnecessary violence and would lead to a peaceful marriage ceremony.

What are the possible consequences in the scenarios as given below?

(a) If she agrees to the Sarpanch's proposal.

(b) If she conscientiously implements the Supreme Court's order. (250 Words) 20

(a) सरपंच के प्रस्ताव से सहमति के परिणाम
(नकारात्मक परिणाम →
○ निम्न जाति के लोगों द्वारा विरोध
होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- दूल्हे के अधिकारों का हनन होगा।
- उच्च जाति में सत्तावादी मानसिकता प्रबल होगी।
- निम्न जाति के लोगों में निराशा बढ़ेगी।
- प्रशासन की जनहित की छवि के बजाय बलशाली हित की ~~पोषण~~ पोषण करने वाली छवि बनेगी।
- कानून के शासन के स्थान पर बल का शासन।

<u>सकारात्मक ~~प्रभाव~~ प्रभाव</u>

- दो वर्गों में विद्वेष नहीं बढ़ेगा
- कानून व्यवस्था बनी रहेगी।
- सामाजिक संघर्ष नहीं होगा।
- संभावित बड़ी अनहोनी के टला

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जा सकेगा।

(ब) न्यायालय के निर्णय का निष्ठापूर्वक पालन करने के प्रभाव

सकारात्मक प्रभाव

- कानून का शासन स्थापित होगा।
- समानता के अधिकार के संरक्षण
- दूल्हे की व्यक्तिगत गरिमा के रक्षण।
- समानता की स्वीकृति हेतु सामाजिक प्रयासों की शुरुआत होगा।
- जाति - वर्ग भेद के स्थान पर समानता के महत्व मिलेगा।
- आस - पास के क्षेत्रों में सकारात्मक सन्देश जाएगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नकारात्मक प्रभाव

- गाँव में संघर्ष होगा।
- कानून व्यवस्था बिगड़ेगी।
- ~~ग्राम~~ गाँव में अशांति व अविश्वास का महौल बनेगा।
- संभवतः हिंसक घटनाएं हो जाए।

किंतु कानून और संवैधानिक मूल्यों का अनुसरण ही लोकसेवक का कर्तव्य होना चाहिए, चाहे इसमें कठिनाईयाँ क्यों न आए।

अवधारणात्मक स्तर पर अच्छी स्पष्ट लेखन शैली दृष्टिगत है

समस्या के समाधान के प्रयास दृष्टिगत है

9.5/20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. राजेश किसी ज़िले में एक प्रमुख तेल विपणन कंपनी के लिये ज़िला नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त है। उसे ज़िले में उज्जवला योजना को सफल बनाने के लिये अधिकृत किया गया है। हालाँकि उसे पता चलता है कि इस योजना के प्रति लोगों की व्यावहारिक समस्याएँ एक बड़ी बाधा है। अधिकांश निवासियों को यह आशंका है कि एल.पी.जी. पर पकाया गया भोजन अस्वास्थ्यकर और स्वादहीन होता है। वे एल.पी.जी. के सुरक्षित उपयोग को लेकर भी आशंकित हैं। एल.पी.जी. पंचायत तथा सुरक्षा जागरूकता शिविरों के आयोजन के बाद भी ये चुनौतियाँ बनी हुई हैं और निवासियों ने इन्हें भ्रामक बताते हुए पूर्णतः बहिष्कृत कर दिया है। इसके अतिरिक्त अन्य कारक जो इस योजना की सफलता को प्रभावित कर रहे हैं, उनमें बायोमास की सस्ती उपलब्धता एवं एल.पी.जी. सिलेंडर को फिर से भरने में लोगों की अवहनीय क्षमता भी शामिल है।

उपरोक्त स्थिति में राजेश के समक्ष उपस्थित विकल्पों को चिह्नित कर उनका मूल्यांकन कीजिये ताकि वह ज़िले में उज्जवला योजना को सफल बना सके। (250 शब्द) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Rajesh is posted as a District Nodal Officer for a leading oil marketing company in a certain district. He has been authorized to make the Ujjawala scheme a success in the district. However, he finds that behavioral issues on the part of residents is a big hurdle. Most of the residents have the apprehension that food cooked on LPG is not healthy and is tasteless. They are also apprehensive about the safety of LPG. These challenges persist even after the conduct of LPG Panchayat and safety awareness camps, and residents dismiss these as misleading. Apart from this, other factors that are checking the success of the scheme include cheap availability of biomass and unaffordability to refill LPG cylinder.

In view of the above situation, identify and evaluate the options before Rajesh so that he can make Ujjawala scheme successful in the district. (250 Words) 20

उज्जवला योजना को सफल बनाने हेतु उपलब्ध विकल्प —

- पंचायत स्तर के अधिकारियों को शामिल करना — सचिव और सरपंचों से बातचीत द्वारा समस्या के संभावित स्थानीयता केंद्रित समाधानों पर चर्चा और जानकारी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

होगा और उस अनुरूप अनुपाते
रणनीति ~~अपनाऊँगा~~ ।
अपनानी चाहिए।

- ~~सम्बद्ध हितधारक~~ महिलाओं ~~की~~ को इसके उपयोग की सरलता के सम्बन्ध में जागरूकता हेतु आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से मदद ~~लूँगा~~ । लेनी चाहिए।
- वहाँ के जनप्रतिनिधि के माध्यम से जनता में विश्वास पैदा करने की कोशिश करूँगा। क्योंकि जनता पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का प्रभाव अधिक होता है।
- सरपंच, क्षेत्र के शिक्षक और अन्य शासकीय कर्मचारी जो जनता के बीच से हैं उनके माध्यम से व्यवहार परिवर्तन का प्रयास ~~करूँगा~~ । करना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- क्षेत्र में बायोमास की उपलब्धता और उससे जनित आय व रोजगार के स्रोतों का परीक्षण कर स्थानीय स्तर पर आय सृजन का प्रयास करना चाहिए।
- गैस- सिलेंडर के प्रसार हेतु प्रचार में नवयुवा वर्ग व स्कूली बच्चों को शामिल कर बायोमास दहन के स्वास्थ्य व पर्यावरणीय हानियों के प्रति जागरूक बनाना चाहिए ताकि व इसे परिवार के स्तर तक पहुँचा कर योजना को सफल बना सके।
- सरकार द्वारा प्रोत्साहन हेतु आर्थिक सहायता दिलवाने का प्रयास ताकि एक बार उपयोग के बाद सरलता और अन्य लाभों तथा सुरक्षा कारण को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

DRISHTI | दृष्टि The Vision

दूर करने में मदद मिल सके।

व्यवहारगत परिवर्तनों हेतु प्रभावी कारणों [illegible] और पूर्व व्यवहार के प्रति जड़ता के कारणों का विश्लेषण कर समग्र नीति निर्माण ही ऐसी योजनाओं की सफलता सुनिश्चित करती हैं।

समस्याओं के समाधान हेतु सुझाये गए विकल्प तार्किक हैं। जो आपकी व्यवहारात्मक स्तर पर सही समझ को स्पष्ट करता है।

9.5/20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. छात्रों का एक समूह नदी के किनारे स्थित एक गाँव में जाता है, जो बहुत ही खराब स्थिति (बुनियादी सुविधाओं की कमी) में है। वहाँ लोग बिजली, स्वच्छता, जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं के बिना झोपड़ियों में निवास कर रहे हैं। उपरोक्त अभावों के परिणामस्वरूप समीप के अन्य गाँवों ने इस गाँव का बहिष्कार कर दिया है, यहाँ तक कि इस गाँव को 'कुँवारा गाँव' के रूप में जाना जाता है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति अपनी पुत्री का विवाह इस गाँव में नहीं करता है। उनकी अवस्था को देखने के बाद छात्रों के इस समूह ने जिला प्रशासन से संपर्क करने का निर्णय लिया। इस अत्यंत विकृत स्थिति के बारे में पूछे जाने पर अधिकारियों ने बताया कि यह गाँव गंभीर रूप से संकटापन्न प्रजातियों की सुरक्षा हेतु सरकार द्वारा संरक्षित क्षेत्र की सूची में श्रेणीबद्ध है।

नियमों के अनुसार, नदी तट से 500 मीटर के भीतर कोई निर्माण गतिविधि नहीं हो सकती है क्योंकि किसी भी प्रकार की निर्माण गतिविधि संरक्षित क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी।

एक जिलाधिकारी के रूप में कुछ संभावित रणनीतियों पर चर्चा कीजिये जिन्हें इस क्षेत्र के विकास हेतु अपनाया जा सकता है। (250 शब्द) 20

A group of students visit a village, situated on the bank of a river, which is in very poor condition. People are residing in shanties without basic infrastructure, like electricity, sanitation and water supply. Further, other villages in the close vicinity have boycotted this place, due to the above limitations, so much so that it is known as bachelor village as nobody marries their daughter in this village. After watching their condition, this group of students decided to approach the district administration. Questioned about the abysmal state of affairs, authorities pointed out that the village lies in the protected area especially earmarked by the government for protection of critically endangered species.

According to the rules there can be no construction activity within 500 meters of the river bank because any kind of construction activity would adversely affect the conservation zone.

As a District Collector, discuss some possible strategies which could be adopted to bring development to this area. (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

एक जिलाधिकारी के तौर पर
पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ
संबंधित क्षेत्र की सामाजिक आर्थिक
उन्नति मेरा पहीय कर्तव्य भी है और
उत्तरदायित्व भी। इसके लिए मेरे द्वारा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निम्नलिखित रणनीति बनाई जाएगी।

→ सर्वप्रथम उस गाँव के राजस्व और वनीय नक्शों का विश्लेषण कर निर्माण क्षेत्र को सुनिश्चित करूंगी।

→ बुनियादी सेवाओं की आपूर्ति के अन्य विकल्पों का प्रयास करूंगा जैसे -

ऊर्जा हेतु - सौलर सेल सौलर पंप

जल हेतु - पारंपरिक प्रणालियों व वनीय उत्पादों का प्रयोग जिसमें ~~का~~ पर्यावरण क्षति न हो। जैसे - बाँस के पाइप स्वच्छता

→ अगर उपरोक्त प्रयास विफल होंगे तो आबादी की संख्या के आधार पर

- अत्यल्प होने पर अन्यत्र व्यक्तिगत स्तर पर सहायता का प्रयास

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

● अधिक आभारी होने पर वनग्राम से राजस्व ग्राम हेतु विभागीय कार्यवाही का प्रयास कर सुविधाएँ उपलब्ध करवाने का प्रयास करूँगा।

→ सम्बन्धित गाँव के निवासियों को वनोपज आधारित कौशल प्रशिक्षण प्रदान करवाऊँगा। ताकि

→ छोटे उद्योगों के प्रोत्साहन हेतु सूक्ष्म वित्त व स्वयं सहायता समूहों का निर्माण करवाकर आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करूँगा।

→ अन्य तकनीकी कौशल प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा उस गाँव के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकास का प्रयास करूँगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस समस्या का समाधान आवश्यक है क्योंकि इसके अभाव में ऐसे समाज में अपराध जन्म लेते हैं। या इनका विस्थापन व पलायन होता है। ऐसे मामलों में सरकार को एकीकृत व समन्वित नीति अपनानी चाहिए।

सामान्यतः समस्या के समाधान के प्रयास ठीक हैं

प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से आवास सुनिश्चित कराया जा सकता है

पर्यावरण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा सकता है

इनके अतिरिक्त भी कुछ बिंदु उल्लेखित किए जा सकते हैं।

8.5/20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation